Drishti Mentorship Program Mains-2023

ESSAY-7

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: Online – 01.08.2023 **UPSC Roll No.:**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	Essay Topic No.	Marks
Section-A	1.	66
Section-B	2.	68
(Grand Total)		134/250

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

Dear student,

→ आपकी संदर्भ दक्षता ठीक है।

→ विषयवस्तु के स्तर पर आपने लेखन का अच्छा प्रयास किया है।

→ प्रस्तुतीकरण एवं लेखन शैली का स्तर बेहतर है।

→ निबंध में रोचकता हेतु Quotation आदि का समुचित प्रयोग करें।

→ भाषा-शैली ठीक है।

→ भूमिका एवं निष्कर्ष का स्तर ठीक है।

→ परिपक्वता एवं लेखन में गुणवत्ता हेतु अभ्यास की निरंतरता बनाए रखें।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

प्र. 1

③ डर एक प्रतिक्रिया है, साहस एक निर्णय।

बॉबी किन्नर, LGBTQ समुदाय से सम्बन्ध रखती हैं। अपने जीवन में अनेक परेशानियों को झेलते हुए उन्होंने LGBTQ वर्ग की समस्याओं को निकट से देखा। NALSA बनाम भारत संघ मामले, 2014 में जब उन्हें तृतीय लिंग के रूप में पहचान मिली तो बहुत खुशियां मनायी गयी।

बॉबी की इच्छा थी कि वह इस समुदाय के सामाजिक व आर्थिक उत्थान के लिए प्रयास करे। दिल्ली जैसे मेट्रो शहर में रहने के बावजूद भी उनके प्रति नागरिकों का नजरिया सकारात्मक नहीं था। दिल्ली के MCD चुनावों में उन्होंने एक दल से पर्चा भरा एवं मेहनत के बल पर जीत हासिल की। वह दिल्ली MCD की एकमात्र किन्नर पार्षद बनी।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

दॉबी की कहानी आम लोगों से इसलिए अलग है क्योंकि अपनी भिन्न सामाजिक व लैंगिक पहचान होते हुए भी उन्होंने अपनी मेहनत, मजबूत इरादों एवं साहस के दम पर अपनी राजनीतिक सफलता सुनिश्चित की।

यहाँ कुछ पक्षों पर गौर करना आवश्यक है जैसे - यदि भारत में रहते हुए उन्हें लैंगिक मान्यता ही नहीं मिलती तो उनका जीवन सामान्य रूढ़िवादी कार्यों में व्यतीत हो जाता। यदि वे डर के कारण किसी साहसिक कदम को नहीं उठाती तो केवल जीवन-मरण के चरण में एक प्राणिमात्र की तरह रहती।

उपरोक्त सत्य कहानी भारतीय समाज में एक LGBTQ समुदाय की महिला के साहस की आँखो-देखी कहानी है जिसे न्यूज चैनलों एवं अखबारों ने भी सराहा। यहाँ हमें द्विपक्षीय द्वन्द्व - डर व साहस में से साहसिक कार्य करने पर सकारात्मक परिणति का उदाहरण देखने को मिलता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

जम्मू - कश्मीर में विभिन्न जातीय समुदायों एवं पाकिस्तान प्रेरित हिंसा के कारण भय का माहौल था किन्तु सरकार के साहसिक निर्णय ने अनु. -370 को हराकर राष्ट्रीय एकता एवं सद्भावना का संदेश दिया।

नौकरशाही पर राजनीतिक दबाव एवं दैनिक कार्यों में राजनैतिक हस्तक्षेप की कहानी नयी नहीं है। विभिन्न सत्ताधारी दल अपने पक्ष में निर्णयों को कराने के लिए साम, दाम, भेद व दण्ड (चाणक्य) का सहारा लेते हैं किन्तु अशोक खेमका व टी. एन. शेषन जैसे साहसी नौकरशाह अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हैं।

राजनीतिक प्रक्रियाओं में केवल इसलिए भाग नहीं लेना क्योंकि यहाँ अपराध एवं भ्रष्टाचार का बोलबाला है, व्यक्ति विशेष के डर को सिद्ध करता है तो वहीं विपक्षी दलों की सरकार की नीतियों के प्रति गैर - विरोधी एवं आलोचना नहीं करने की रणनीति भी कोई साहसी कार्य नहीं है जिसका प्रभाव देश - समाज की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

आर्थिक क्षेत्र में डर के कारण व्यक्ति व संस्थाएं जोखिम लेने से बचते हैं जिस कारण नवाचार एवं संभावित लाभ में काम आती है। आज लोग नवीनतम विचारों को धरातल पर लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसकी परिणति ओला, ऊबर व जोमेंटो जैसी कम्पनियों की स्थापना के रूप में हुई है।

इन साहसी निर्णयों ने गिग-इकोनॉमी के नवीन दरवाजे खोले हैं जिससे रोजगार में वृद्धि हुई है एवं लोगों का जीवन स्तर सुधरा है एवं भारत में 100 से भी अधिक यूनीकॉर्न उभरे हैं। भारत सरकार के स्टार्ट अप इंडिया एवं स्टैण्ड अप इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने लोगों के विचारों को पंख दिए हैं।

यदि आर्मस्ट्रांग पामे जैसे सिविल सेवक साहसिक निर्णय नहीं लेते तो उत्तर-पूर्व में बिना सरकारी सहायता के 100 किमी की रोड़ बनाना असम्भव था जिससे ना केवल क्षेत्रीय ढाँचा मजबूत हुआ है बल्कि गुणक प्रभाव के रूप में लोगों की आजीविका सुधरी है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

हमारे पारम्परिक समाज में भी साहसिक निर्णय लेने से गुरेज किया जाता है एवं किसी नवीन कार्य को न्यूनतम प्रोत्साहन दिया जाता है। कुछ विशिष्ट खेल जैसे - कुश्ती, कबड्डी आदि लड़कों के लिए आरक्षित समझे जाते हैं।

हरियाणा में जब महावीर फोगाट ने अपनी बेटियों को कुश्ती के दंगल भेजने का साहसिक निर्णय लिया तो उन्हें सामाजिक आलोचनाओं और तानों का जहर पीना पड़ा लेकिन जब फोगाट बहनों ने खेल की मिट्टी में बहाया हुआ पसीना स्टेडियम में जाकर पोंछा तो हाथ में मेडल थे और सभी भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा।

इसी तरह LGBTQ समुदाय भी अपनी सामाजिक पहचान एवं विवाह बंधनों को कानूनी घोषित करवाने के निर्णय के लिए प्रतिबद्ध है किन्तु समाज में अन्तर-जातीय विवाह एवं बालिका शिशु के जन्म पर समारोह के लिए उर का आभास आज भी किया जाता है जिसके लिए किसी महावीर फोगाट के साहसिक निर्णय की आवश्यकता है।

Page

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारत ने 1998 से कम्प्यूटरों को शासन का अंग बनाना प्रारम्भ किया, यह निश्चित ही क्रांतिकारी एवं साहसिक कदम था। इसी तरह COVID-19 के प्रभावों को रोकने के लिए नव भारत की अनेक कम्पनियों ने साहसिक निर्णय लेते हुए सबसे पहले वैक्सीन का निर्माण किया तो भारत की सॉफ्ट पावर में वृद्धि हुई।

एलन मस्क विश्व के अमीर लोगों में से हैं जिन्होंने अपनी कम्पनी स्पेस एक्स के माध्यम से लोगों तक मुफ्त इंटरनेट पहुँचाने का वादा किया है। मस्क के पास डरकर बैठने अथवा जोखिम लेने के अवसर थे जिसे उन्होंने जोखिम लेकर मानवता की भलाई के लिए समर्पित करने की कोशिश की।

भारत में प्रत्येक 5 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी तरह साइबर अपराध का शिकार होता है। महिलाओं के मन में डर विद्यमान हो गया है एवं रोजाना लगभग 25000 फोटो इन्टरनेट पर वायरल की जाती है जो महिला अथवा बाल अपराधों से सम्बन्धित होती हैं।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

डर और साहस के मध्य द्वन्द्व का एक उदाहरण सिक्किम में देखने को मिला जहाँ उन्होंने जैविक खेती को लागू कर भारत का एकमात्र जैविक राज्य होने का गौरव हासिल किया। यह सिक्किम की भौगोलिक परिस्थितियों एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति के साहस का ही परिणाम था।

मरुस्थलीय प्रदेशों में नहरें पहुँचाकर खेती की जा रही है एवं उन्हें हरा-भरा बनाने की कोशिश की जा रही है। 1960 के दशक में भारत के पास खाद्यान्न की अत्यधिक न्यूनता हो जाने पर हरित क्रांति लाने जैसे साहसिक नीर्णय राजनैतिक ही थे जो स्वामीनाथन के प्रयासों से धरातल पर दृष्टिगोचर हुए।

इसके नकारात्मक प्रभावों के रूप में हमें सुपोषण, जैव-आवर्धन, रसायनों का अत्यधिक उपयोग, सामाजिक व आर्थिक असमानता, भूमि निम्नीकरण आदि देखने को मिलते हैं किन्तु डरकर बैठ जाने से बेहतर है नव-सम्भववादियों के अनुसार विज्ञान तकनीकी का प्रयोग करके नकारात्मक प्रभावों को कम किया जाये।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

व्यक्ति अपने नैतिक आचरण में भी उर का सामना करता है जिससे उसके निर्णय एवं परिणाम प्रभावित होते हैं। व्यक्ति के मूल्य, अभिवृत्ति एवं सत्यनिष्ठा जैसे गुण उसे साहसिक कदम उठाने की ओर प्रवृत्त करते हैं जिससे उसकी क्षमताओं का समाज एवं देश की प्रगति में योगदान हो सके।

जब स्वयं की जवाबदेहिता एवं उत्तरदायित्व को संयुग्मित किया जाता है तो मानव-मात्र के भले के लिए साहसिक निर्णय लिये जाने की सम्भावना बढ़ जाती है। जैसे - नोबेल प्राप्त कैलाश सत्यार्थी के बचपन बचाओ आन्दोलन द्वारा लगभग 86000 बच्चों को वाणिज्यिक लैंगिक अपराध, बाल श्रम व बेगार से बचाया जा चुका है।

इसके विपरीत उर के कारण निजी हितों को अधिक महत्व दिया जाने पर व्यक्ति पर लोगों के विश्वास में कमी आती है और वह दीर्घकालिक रूप में सफल नहीं हो पाता।

उदा० - NSA अजीत डोभाल यदि उर की वजह से पाकिस्तान नहीं जाते तो अनेक सूचनाएँ नहीं मिल पाती।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

मानव व पर्यावरण का अतीत-वर्तमान-भविष्य का सम्बन्ध है। प्रकृति, मानव एवं अन्य जीवों का पोषण करती है एवं रक्षा करती है। हाल ही में मानव-वन्य जीवन संघर्ष बढ़े हैं एवं मानव द्वारा विकासीय गतिविधियों एवं निजी लाभों के लिए पर्यावरण का विनाश किया जा रहा है।

पर्यावरण सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है एवं बिना पर्यावरण के मानव का जीवन असम्भव है। पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए भेराराम भाखर (द्वी टीचर) एवं तुलसी गौड़ा (एनसाइक्लोपीडिया ऑफ फोरस्ट) जैसे साहसिक प्रयासों की जरूरत है।

जलवायु परिवर्तन के कारण तटीय क्षेत्रों पर खतरा बढ़ा है अतः संधारणीय विकास के लिए SDG लक्ष्यों की प्राप्ति के निरन्तर प्रयासों एवं भारत की तरह पंचप्रण लेने और समयबद्ध रूप से उनको पूरा करने की आवश्यकता है ताकि ना ही आने वाले पीढ़ियों पर भार पड़े और ना ही वन्य-जीवों के स्थायीत्व पर।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

इतिहास में भी साहस और डर के मध्य द्वन्द्व के अनेक उदाहरण मिलते हैं जब डर के कारण साहस और निर्णयों ने इतिहास बदल दिया।

अशोक के पास एक विशाल साम्राज्य था जिस पर वह आजीवन सुखपूर्ण जीवन व्यतीत कर सकते थे किन्तु कलिंग युद्ध के बाद उन्हें अपने कृत्यों एवं मानवता विनाश का भय सताने लगा जिसका साहसिक परिणाम अशोक के धम्म के रूप में देखने को मिला। इसी तरह 1857 की क्रांति में भी भारत ने अनेक साहसिक निर्णय देखे जैसे - तांत्या टोपे, रानी लक्ष्मीबाई व बेगम हजरत महल आदि।

डर का एक नमूना मुगल बादशाह पर अहमद शाह अब्दाली के आक्रमण के (1761) फलस्वरूप देखने को मिला जहाँ उसकी कायरता प्रकट हुई एवं मराठों ने अब्दाली से टक्कर ली। इस युद्ध में हालांकि मराठा हारे किन्तु उन्होंने साहस को चुना एवं डर के प्रति विजय प्राप्त की जिसके फलस्वरूप मुगलों की शक्ति उत्तरोत्तर कम होती गयी।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अतः डर किसी परिस्थिति के प्रति मानव की विशेष प्रतिक्रिया को सन्दर्भित करता है किन्तु साहसिक निर्णय उस प्रतिक्रिया के जवाब के रूप में परिणाम को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

हमें अपने अन्तःमन पर नियंत्रण एवं प्रबंधन करते हुए सभी अवसरों पर साहसी निर्णय लेने चाहिए एवं निजी लाभों से बचना चाहिए ताकि सुखवादी एवं यूटिलिटेरियनिज्म के अनुसार अधिकतम लोगों का सुख स्थापित किया जा सके। अतः लोगों को इसलिए याद किया जाता है कि इसने गोली पीठ पर खाई या छाती पर। कहा जा सकता है-

"यहाँ तेरा क्या, यहाँ मेरा क्या,
सबके अपने पिंजड़े हैं, यहाँ बसेरा क्या,
बाँटो मोहब्बतें, करो वफाएँ, खुशियों के दीप जलाओ ना,
फिर ये चेहरा क्या, वो चेहरा क्या।"

निबंध का विषय अनुरूप आरंभ, लेखन को प्रवाह दिया है। प्रस्तुतीकरण एवं लेखन शैली का स्तर अच्छा है। Quotation का प्रयोग अच्छा। सुझाव - निरंतरता बनाएं रखें, अभ्यास को भी।

66/125

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

(2)

7. लोकतंत्र एकरूपता के बारे में नहीं है, यह विविधता को अपनाने और संवाद एवं समझौते की संस्कृति को बढ़ावा देने के बारे में है।

अब्राहम लिंकन द्वारा दी गयी लोकतंत्र की परिभाषा से आज बच्चा-बच्चा परिचित है - जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन। किन्तु लोकतंत्र के मर्म को समझने के लिए हमें महात्मा गाँधी के विचारों में झाँकना पड़ेगा। उनके अनुसार -

"लोकतंत्र कोई विधायी विचारधारा नहीं है अपितु यह नैतिक विचारधारा है जो सभी के विचारों का सम्मान होता है एवं विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया समाहित होती है।"

गाँधी ने सदैव निचले तबके तक को लोकतंत्र का हिस्सा माना। 1915 में द. अफ्रीका से आने के बाद सर्वप्रथम उन्होंने सम्पूर्ण भारत का दौरा/भ्रमण किया एवं भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विविधता को जानने का प्रयास किया।

मूमिका अच्छी है

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

अपने प्रारम्भिक सत्याग्रही प्रयोगों जैसे चम्पारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह एवं अहमदाबाद मिल स्ट्राइक में भी उन्होंने श्रमिकों की आवाज को सुना एवं प्रबंधन अथवा ब्रिटिश प्रशासन तक पहुँचाया अर्थात् विविधता को अपनाया एवं आपसी संवाद एवं समझौते के माध्यम से हल निकालने का प्रयत्न किया।

इसके बाद भी अपने कांग्रेस के वार्षिक भाषण में उन्होंने सभी समुदायों की भागीदारिता पर जोर दिया। कांग्रेस की क्षेत्रीय समितियां बनाई गयी एवं पंजीकरण शुल्क को न्यूनतम रखा गया।

उनके असहयोग आन्दोलन व नागरिक अवज्ञा आन्दोलनों ने भी व्यक्ति के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दे जैसे - नमक आदि पर जोर दिया। लोगों में गाँधी के प्रति विश्वास बढ़ा एवं स्वतंत्रता आन्दोलन में जनता की भागीदारी बढ़ी। गाँधी ने सिद्ध कर दिया कि लोकतंत्र का अर्थ केवल एकरूपता नहीं है बल्कि विविधता को अपनाना है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय लोकतंत्र अनेक विविधताओं का समावेश किये हुए है। भारतीय राजनीति में सभी तरह की सोच के दलों को मान्यता प्रदान की जाती है। भारतीय संसद के दोनों सदनों में विविध क्षेत्रों एवं दलों के नेताओं का समावेश है।

सत्ता पक्ष, विपक्षी दलों से समन्वय स्थापित करके सरकार चलाता है एवं बाह्य रूप से नागरिक समाज संगठनों, NGO, जनता के प्रति जवाबदेह रहता है। इससे सभी पक्षों को अपनी राय रखने का मौका मिलता है। जैसे - राज्यसभा में राष्ट्रपति द्वारा सदस्यों का नामांकन।

अनेक बार क्षेत्रीय दल, क्षेत्रीय मुद्दों को अत्यधिक महत्व देते हैं जिससे राष्ट्रीय हितों को पूरा करने में समस्या आती है जैसे - भारत - बांग्लादेश सम्बन्धों में बंगाल की भूमिका। इससे भारत की क्षेत्रीय एकता व अखण्डता प्रभावित होती है एवं बाह्य खतरों के प्रति सुभेद्यता उत्पन्न होती है। अतः राष्ट्रीय हित को ऊपरी सीमा बनाकर संविधान के आलोक में ही विविधता का सम्मान करना चाहिए। गाँधीजी के अनुसार बिना सिद्धान्तों की राजनीति एक पाप है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

विकास की दौड़ में क्षेत्रवार समान विकास की सुनिश्चितता एक महत्वपूर्ण कर्त्तव्य है। विभिन्न लोगों द्वारा संसाधनों का क्षमता अनुसार उपयोग किया जाये एवं रोजगार के मामलों में सभी को समान अवसर (अनु. 16) की संवैधानिक बाध्यता है।

महिला-पुरुष को क्षमता एवं दक्षता के अनुसार रोजगार प्रदान करने की आवश्यकता है एवं LGBTQ समुदाय को भी उनका हिस्सा मिलना चाहिए ताकि समान आय सुनिश्चित हो जिससे समावेशी विकास सम्भव होगा एवं SDG लक्ष्य 10 की प्राप्ति होगी।

आर्थिक क्षेत्रों में बाल श्रम, बेगार एवं आय असमानता जैसी गैर-वैधानिक प्रथाएँ देखने को मिलती हैं जिसका नकारात्मक प्रभाव देश की प्रगति पर पड़ता है। इसके लिए समान वेतन संहिता को कठोर रूप में लागू करने की आवश्यकता है।

उदा. - गांधीजी के अनुसार बिना परिश्रम के कमाया गया धन पाप है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय समाज को Salad Bowl की संज्ञा दी जाती है क्योंकि यह अपने आप में विभिन्न धर्म, भाषाओं, बोली, संस्कृति, नृजातीयता एवं खान-पान को समेटे हुए है। प्रत्येक धर्म के अपने त्यौहार एवं पर्व हैं। भारतीय संविधान ने धार्मिक स्वतंत्रता को मूल अधिकार (अनु. 25-28) माना है।

एक विशेष क्षेत्र में ही अनेक संस्कृति एवं धर्म के लोग पाये जा सकते हैं। देश के निचले व दलित वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी थी। हाल में ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को भी विकास की मुख्य धारा में शामिल करने हेतु 103 वें संविधान संशोधन द्वारा आरक्षण प्रदान किया गया।

आधुनिक भारत में समाज का दूसरा पहलू मॉब लिंचिंग के रूप में सामने आया है जिसका अधिकतर प्रभाव अल्पसंख्यक झेल रहे हैं (तहसीन एस. पूनावाला बनाम भारत संघ)। अपने धर्म के प्रति कट्टरता अपनाने से दूसरे धर्म के प्रति घृणा, द्वेष फैल रहा है जिसने भारतीय लोकतंत्र की धर्मनिरपेक्षता पर खतरा है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

लोकतंत्र के तकनीकी पक्ष के रूप में भारत में लगभग 730 मिलीयन नागरिक इन्टरनेट का प्रयोग करते हैं, जिससे उनकी सूचनाओं तक पहुँच बढ़ी है। देश में नीति-निर्माण पर व्यक्ति अपनी राय रखने लगा है एवं सरकार द्वारा सुशासन स्थापित करने के लिए ई-गवर्नेंस का सहारा लिया जा रहा है।

सरकार को जवाबदेही बनाने के लिए ट्विटर पर ट्रेंड चलाये जाते हैं। दबाव समूहों द्वारा सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से अपनी योजनाओं का प्रचार किया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने अनुराधा भसीन व फहीमा शिरीन बनाम भारत संघ मामले में इन्टरनेट तक पहुँच को मूल अधिकार माना है।

इन्टरनेट का आतंकियों अथवा साइबर समूहों द्वारा अपनी आइडियोलॉजी फैलाने एवं व्यक्ति के निजी मामलों में हस्तक्षेप करने में उपयोग किया जा रहा है। यह गाँधीजी के अनुसार मानवता के बिना विज्ञान है जो कि पाप है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भौगोलिक रूप से भारत की जलवायु उपमहाद्वीपीय है एवं मानसून पर आधारित है। सम्पूर्ण भारत मानसून की बाट जोहता है। भारतीय कृषि को मानसून का जुआ कहा जाता है।

भौगोलिक विविधता होते हुए भी छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड के खनिजों से निर्मित वस्तुएँ पूरे भारत में पहुँचती है एवं देश के पूर्णरूपेण विकास में योगदान करती हैं। राज्य सरकारें, FCI द्वारा पंजाब व मध्यप्रदेश से खरीदे गये गेहूँ को PDS के माध्यम से आम जनता तक पहुँचाकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं।

हाल ही में अलगाववाद की प्रवृत्ति धीरे-धीरे जोर पकड़ रही है इसके पीछे जल, जंगल ज़मीन एवं असमान विकास जैसे कारण दिए जाते हैं जो भारतीय एकता एवं सम्प्रभुता पर आघात है। इससे लोकतंत्र की विचारधारा पर भी प्रभाव पड़ता है। इसे जनभागीदारी एवं विकास के समान क्षेत्रीय दृष्टिकोण से रोका जा सकता है। जैसे - पंजाब में खालिस्तानी आंदोलन

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

लोकतंत्र के नैतिक पक्ष के रूप में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में नागरिक - उन्मुखता, वस्तुनिष्ठता, जवाबदेहिता का समावेश आवश्यक है। एक पारदर्शी शासन तंत्र एवं उत्तरदायी राजनीतिक नेतृत्व ही लोकतंत्र का मजबूत आधार है।

सूक्ष्मतम इकाई परिवार में निर्णयों के लोकतांत्रिकरण की प्रक्रिया से समाज में नैतिक मूल्यों का प्रचार होता है जिसका अन्ततः प्रभाव देश की नौकरशाही में जनता के प्रति सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी के रूप में सामने आता है।

वैश्वीकरण के प्रभाव में भारतीय संस्कृति मानकों के ह्रास से मानव में मूल्य प्रक्रियाओं में कमी आयी है। शिक्षा का नैतिक से तकनीकी की ओर रूपान्तरण हुआ है (भानु प्रताप)। एकल परिवार संस्कृति से पारिवारिक नैतिकता एवं आचरण नष्ट हो गये हैं। किन्तु वैश्वीकरण के विरूद्ध बातें करना ऐसे है जैसे गुरूत्व के विरूद्ध बातें करना - कोफी अन्नान।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

पर्यावरणीय लोकतंत्र के रूप

में मानव को प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति कर्त्तव्यों को समझने एवं नीति - निर्माण में पर्यावरण को एक संघटक के रूप में शामिल किये जाने की आवश्यकता है।

वन्य जीव संरक्षण अधि. 1972 के द्वारा प्रोजेक्ट टाईगर एवं प्रोजेक्ट हाथी को गति मिली जिससे एक महत्वपूर्ण घटक वन्य जीव संरक्षण में मदद मिली। उत्तराखण्ड का चिपको आन्दोलन हो अथवा मेधा पाटकर के नेतृत्व में नर्मदा बचाओ आन्दोलन या फिर बिश्नोई समाज की जीवों के प्रति आस्था, इन सबने पर्यावरण को लोकतंत्र का अभिन्न अंग माना है।

बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए निवास योग्य भूमि उपलब्ध करवाना एक समस्या है जिसके लिए निर्वनीकरण किया जा रहा है। फोरेस्ट गॉन के अनुसार पिछले वर्ष 4.1 मिलीयन हेक्टेयर वन नष्ट हो गये। इससे पिछले 50-60 वर्षों में लगभग 65% प्रजातियाँ विलुप्त हो गयी हैं एवं अनेक प्रजातियों के लिए आवास का संकट है।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृप्या इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

भारतीय इतिहास भी लोकतंत्र का गवाह रहा है। जहाँ अकबर ने सभी समुदायों से अपने मंत्रियों का चुनाव किया वहीं ब्रिटिश लोगों ने भी विभिन्न अधिनियमों के द्वारा भारतीयों को सीमित स्वायत्तता दी।

महात्मा गाँधी के अनुसार लोकतंत्र केवल राजनीतिक ही नहीं होना चाहिए अपितु सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना आवश्यक है जिसके लिए भारतीय संविधान में मूल अधिकार एवं DPSP की व्यवस्था है। डॉ० अम्बेडकर ने असली लोकतंत्र, जातिवाद की समाप्ति को माना।

उत्तर-वैदिक काल में सभा-समिति के प्रभाव में निरन्तर कमी हुई, महिलाओं एवं शूद्रों के अधिकार कम हुए जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरोधाभासी रहा। औरंगजेब द्वारा हिन्दु व मुस्लिमों में विभेद किया गया एवं मंदिरों की जगह अनेक मस्जिद बनवायी गयी जिसने विविधता को समाप्त कर भारतीय लोकतांत्रिक विचारधारा पर चोट पहुँचाई।

(Please do not write anything except the question number is this space)
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें!

UPSC

Answer Questions in NOT MORE THAN the Word Limit specified for each in the Parenthesis.
Content of the Question is more important than length.
(Specimen Answer Booklet - For Practice Purpose Only)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए!
Candidates must not write on this margin.

लोकतंत्र तुलनात्मक रूप से नवीन अवधारणा है एवं भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जिसने सभी विविधताओं को अपने अंदर समाहित किया है। भारत में गाँधीजी के अहिंसा, सत्य, शांति के सिद्धान्तों के आधारों पर प्रशासन एवं नीति निर्माण किये जाते हैं।

लोकतंत्र के मंदिर संसद में महिलाओं समेत LGBT समुदाय की उचित भागीदारी करने की आवश्यकता है ताकि संवेदनशीलता बढ़ सके एवं समावेशी विकास व सामाजिक न्याय का अंतिम लक्ष्य प्राप्त हो। सभी समुदायों को एक-दूसरे के प्रति उदार सच्चरित्रवान रहने की आवश्यकता है -

"पीर-पैगम्बर की जटी-बूटियां गंगा में शामिल हो जायें,
हिन्दु की माँ मुस्लिम की मौसी कहलाने के काबिल हो जाये,
मिल जाये मस्जिद ईश्वर को, मौला को मन्दिर हासील हो जाये,
काश ऐसा हिंदुस्तान मेरा हो जाये
काश ऐसा हिन्दुस्तान मेरा हो जाये।"

विषयवस्तु के प्रस्तुतीकरण का स्तर बेहतर है
अच्छा प्रयास
प्रस्तुतीकरण का स्तर बेहतर है
भूमिका एवं निष्कर्ष का स्तर बेहतर है
नियमित लेखन का अभ्यास करते रहें

68/125